

# Class XI Session 2025-26

## Subject - Hindi Core

### Sample Question Paper - 2

निर्धारित समय: 3 घंटे

अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-

- यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

#### खंड क (अपठित बोध)

##### 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)

[10]

हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संवाद देने वाली है। वह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है। पाचन-शक्ति बढ़ाती है, रक्त को चलाती और अधिक पसीना लाती है। हँसी एक शक्तिशाली दवा है। एक डॉक्टर कहता है कि वह जीवन की मीठी मदिरा है। डॉ. हयूड कहता है कि आनंद से बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मनुष्य के पास और नहीं है। कारलाइल एक राजकुमार था। संसार त्यागी हो गया था। वह कहता है कि जो जी से हँसता है, वह कभी बुरा नहीं होता। जी से हँसी, तुम्हें अच्छा लगेगा। अपने मित्र को हँसाओ, वह अधिक प्रसन्न होगा। शत्रु को हँसाओ, तुमसे कम घृणा करेगा। एक अनजान को हँसाओ, तुम पर भरोसा करेगा। उदास को हँसाओ, उसका दुख घटेगा। निराश को हँसाओ, उसकी आशा बढ़ेगी।

एक बूढ़े को हँसाओ, वह अपने को जवान समझने लगेगा। एक बालक को हँसाओ, उसके स्वास्थ्य में वृद्ध होगी। वह प्रसन्न और प्यारा बालक बनेगा, पर हमारे जीवन का उद्देश्य केवल हँसी ही नहीं है, हमको बहुत काम करने हैं। तथापि उन कामों में, कष्टों में और चिंताओं में एक सुंदर आंतरिक हँसी, बड़ी प्यारी वस्तु भगवान ने दी है।

हँसी सबको भली लगती है। मित्र-मंडली में हँसी विशेषकर प्रिय लगती है। जो मनुष्य हँसते नहीं उनसे ईश्वर बचावे। जहाँ तक बने हँसी से आनंद प्राप्त करो। प्रसन्न लोग कोई बुरी बात नहीं करते। हँसी बैर और बदनामी की शत्रु है और भलाई की सखी है। हँसी स्वभाव को अच्छा करती है। जी बहलाती है और बुद्ध को निर्मल करती है।

(i) हँसी किस शक्ति को बढ़ाती है? (1)

- मानसिक शक्ति
- पाचन शक्ति
- श्रवण शक्ति
- दृष्टि शक्ति

(ii) डॉ. हयूड के अनुसार, मनुष्य के पास सबसे बहुमूल्य वस्तु कौनसी है? (1)

- धन
- स्वास्थ्य
- आनंद
- ज्ञान

**(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - (1)**

- कथन (I): हँसी शरीर और मन को प्रसन्न करती है।  
कथन (II): हँसी मनुष्य के स्वभाव को बिगाड़ती है।  
कथन (III): मित्रों में हँसी विशेष प्रिय मानी जाती है।  
कथन (IV): हँसी बैर और बदनामी को बढ़ावा देती है।

**गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही हैं?**

- क) केवल कथन (I) और (III) सही हैं।  
ख) केवल कथन (II), (III) और (IV) सही हैं।  
ग) केवल कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।  
घ) केवल कथन (I) और (IV) सही हैं।  
(iv) हँसी किस प्रकार की दवा है? (1)  
(v) हँसी का शत्रु और मित्र कौन है? (2)  
(vi) हँसी से मित्रों, शत्रुओं, अनजान लोगों, उदास और निराश व्यक्तियों पर क्या प्रभाव पड़ता है? (2)  
(vii) हँसी को भगवान ने किस रूप में दी है और इसका क्या महत्व है? (2)

**2. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (8)**

[8]

उस खेतिहर से पूछो अपने खेतों में जो अन्न उगाता  
गेहूँ, चाउर और चने के कुनबे पर जो बलि-बलि जाता  
हल की मुठिया जिसका बल है, हँसिया पर जो है इतराता  
बढ़िया पैदा हुई फ़सल के हर दाने पर झूमा जाता  
क्या वह चाहेगा दुनिया में फिर से कोई आग लगाए?  
उसके ऊपर या खेतों पर कोई हिंसक बम गिराए?  
क्या वह देखेगा आँखों से फिर से कोई रक्त बहाए?  
उर्वर मिट्टी के नव जन्मे अंकुर असमय भस्म बनाए?  
मैं कहता हूँ; वह खेतिहर तो पूरी तरह विरोध करेगा  
युद्ध-समर्थक हत्यारों की करनी का विरोध करेगा  
सबसे पहले शांति-समर्थक उसका ऊँचा हाथ उठेगा  
निश्चय साहस से सम्मानित उसका ऊँचा माथ उठेगा।  
वह अपनी जनता से अपने खेतों का संदेश कहेगा  
युद्ध विरोधी तैयारी में रण के दारुण क्लैश कहेगा  
वह घहरेगा जैसे कोई मेघ घहर कर ललकारेगा  
मैं कहता हूँ उसके बल से हत्यारों का दल हारेगा।

**1. (i) काव्यांश के आधार पर उचित विकल्प का चयन कीजिए: (1)**

**कविता में 'खेतिहर' युद्ध के विरोध में क्यों है?**

- I. वह अन्न उगाने के लिए मिट्टी को उर्वर बनाता है।  
II. वह शांति का समर्थक है।  
III. वह हिंसा और रक्तपात का समर्थन करता है।  
IV. वह युद्ध को लाभदायक मानता है।

**विकल्प:**

- क) कथन I और II सही हैं।  
ख) कथन II और III सही हैं।  
ग) कथन I, II और IV सही हैं।  
घ) केवल कथन III और IV सही हैं।

2. 'क्या वह देखेगा आँखों से फिर से कोई रक्त बहाए?' का क्या संदर्भ है? (1)

- क) युद्ध के दौरान रक्तपात
- ख) खेतों में फसल की हानि
- ग) प्राकृतिक आपदाएँ
- घ) व्यक्तिगत संघर्ष

3. नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कर सही विकल्प का चयन कीजिए: (1)

| कॉलम 1                      | कॉलम 2                        |
|-----------------------------|-------------------------------|
| I. खेतिहर का मुख्य उद्देश्य | 1. शांति का समर्थन करना       |
| II. युद्ध का परिणाम         | 2. खेतों और अन्न का नष्ट होना |
| III. खेतिहर की प्रेरणा      | 3. बेहतर फसल उगाना            |

विकल्प:

- क) I - (1), II - (3), III - (2)
- ख) I - (3), II - (2), III - (1)
- ग) I - (2), II - (1), III - (3)
- घ) I - (1), II - (2), III - (3)

4. कविता में 'उर्वर मिट्टी के नव जन्मे अंकुर' से क्या संकेत मिलता है? (1)

5. कविता के अनुसार, खेतिहर अपने खेतों का संदेश किस प्रकार साझा करेगा? (2)
6. कविता में 'हत्यारों का दल हारेगा' का क्या तात्पर्य है? (2)

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर )

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए। [6]

- i. रेल से तीर्थयात्रा विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। [6]
- ii. मेरे बगीचे में सब्जी की फसल विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। [6]
- iii. विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ विषय पर निबंध लिखिए। [6]

4. अपने क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय खुलवाने की आवश्यकता समझाते हुए दिल्ली के शिक्षा-मंत्री के नाम एक पत्र लिखिए। [5]

अथवा

84-बी/3, राणाप्रताप मार्ग, सेक्टर-5, द्वारका, नई दिल्ली निवासी सुदीप की तरफ से दूरदर्शन पर दिखाए जा रहे कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए उनकी गुणवत्ता बनाए रखने के संबंध में पत्र लिखिए।

5. अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: [11]

- i. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)
  - i. पेज श्री पत्रकारिता क्या है? [2]
  - ii. स्ववृत्त की भाषा कैसी होनी चाहिए? [2]
  - iii. शब्दकोष कैसे करते हैं? [2]
  - iv. आजादी के पूर्व के प्रमुख पत्रकार कौन-कौन से थे? [2]
  - v. 20 मई 2020 को विद्यालय में वार्षिकोत्सव के संदर्भ में एक बैठक होनी निश्चित हुई है। बैठक से पूर्व विचारणीय बिन्दुओं पर कार्यसूची बनाइए। [2]
- ii. i. नाटक और फिल्म की पटकथा में क्या अंतर होता है? स्पष्ट कीजिए। [3]

अथवा

- i. डायरी लेखन में व्यक्ति का व्यक्तित्व झलकता है। स्पष्ट कीजिए। [3]

खंड- ग (आरोह भाग - 1 एवं वितान भाग-1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: [5]

हे भूख! मत मचल  
प्यास, तड़प मत  
हे नींद! मत सता  
क्रोध, मचा मत उथल-पुथल  
है मोह! पाश अपने ढील  
लोभ, मत ललचा  
हे मद! मत कर मदहोश  
ईर्ष्या, जला मत  
ओ चराचर! मत चूक अवसर  
आई हूँ सन्देश लेकर चन्न मलिकार्जुन का

i. इस पद्यांश की कवयित्री का क्या नाम है?

क) अक्षमहादेवी

ख) सुभद्रा कुमारी

ग) महादेवी

घ) सभी विकल्प सही हैं

ii. कवयित्री भूख-प्यास से क्या प्रार्थना करती है?

क) सांसारिक कष न दे

ख) सांसारिक और दैहिक दोनों कष न दे

ग) इनमें से कोई नहीं

घ) दैहिक कष न दे

iii. कवयित्री किसके प्रति समर्पित है?

क) चन्नमलिकार्जुन और भगवान शिव दोनों

ख) चन्नमलिकार्जुन

ग) इनमें से कोई नहीं

घ) भगवान शिव

iv. क्रोध का अर्थ है:

क) निंदा

ख) सभी विकल्प सही हैं

ग) गुस्सा

घ) प्रेम

v. मोह का विलोम है:

क) लालच

ख) सभी विकल्प सही हैं

ग) ईर्ष्या

घ) निर्मोह

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक) [6]

i. कवीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं? [3]

ii. चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती कविता में चंपा को क्या अचरज होता है तथा क्यों? [3]

iii. आओ, मिलकर बचाएँ कविता में वर्णित संथालों के हथियारों का उल्लेख कीजिए। [3]

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक) [4]

i. कवि ने कविता में कई बातों को बुरा है न कहकर बुरा तो है कहा है। तो के प्रयोग से कथन की भंगिमा में क्या बदलाव आया है, सबसे खतरनाक कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [2]

ii. मीरा के पद के आधार पर बताइए लोक-लाज खोने का अभिप्राय क्या है? [2]

iii. कवि दुष्यंत कुमार आवाज में असर के लिए बेकरार क्यों है? [2]

9. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: [5]

मैं उत्तर-पश्चिम में खैबर के दरें से लेकर धूर दक्षिण में कन्याकुमारी तक की अपनी यात्रा का हाल बताता और यह कहता कि सभी जगह किसान मुझसे एक-से सवाल करते, क्योंकि उनकी तकलीफें एक-सी थीं-यानी गरीबों पर कर्जदारों, पूँजीपतियों के शिकंजे, जर्मांदार,

महाजन के कड़े लगान और सुद, पूलिस के जुल्म और ये सभी बातें गुँथी हुई थी, उस ढाँचे के साथ, जिसे एक विदेशी सरकार ने हम पर लाद रखा था और इनसे छुटकारा भी सभी को हासिल करना था। मैंने इस बात की कोशिश की कि लोग सारे हिन्दुस्तान के बारे में सोचें और कुछ हद तक इस बड़ी दुनिया के बारे में भी जिसके हम एक जुज़ हैं। मैं अपनी बातचीत में चीन, स्पेन, अबीसिनिया, मध्य यूरोप, मिस्र और पश्चिम एशिया में होने वाले कशमकशों का जिक्र भी ले आता।

- i. नेहरू जी कहाँ जाते थे?
 

|              |              |
|--------------|--------------|
| क) जलसों में | ख) पार्क में |
| ग) खेतों में | घ) घर में    |
  - ii. नेहरू जी ने धुर दक्षिण में कहाँ तक यात्रा की है?
 

|           |                |
|-----------|----------------|
| क) कश्मीर | ख) कन्याकुमारी |
| ग) दिल्ली | घ) राजस्थान    |
  - iii. किसानों की तकलीफ़ क्या थी?
 

|          |                           |
|----------|---------------------------|
| क) कर्ज़ | ख) सभी विकल्प सही हैं     |
| ग) गरीबी | घ) जर्मीदारों द्वारा शोषण |
  - iv. नेहरू जी की कोशिश क्या रहती थी?
 

|  |   |
|--|---|
| क) इनमें से कोई नहीं                                     | ख) सरकार के दृष्टिकोण में व्यापकता लाना   |
| ग) किसानों और सरकार दोनों के दृष्टिकोण में व्यापकता लाना | घ) किसानों के दृष्टिकोण में व्यापकता लाना |
  - v. देशवासियों की सभी परेशानियों की वजह कौन है?
 

|                  |                                 |
|------------------|---------------------------------|
| क) अंग्रेजी शासन | ख) ईश्वर और अंग्रेजी शासन दोनों |
| ग) ईश्वर         | घ) इनमें से कोई नहीं            |
10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक) [6]
- i. अपूर्व के साथ ढाई साल पाठ से फिल्म में श्रीनिवास की क्या भूमिका थी और उनसे जुड़े बाकी दृश्यों को उनके गुजर जाने के बाद किस प्रकार फिल्माया गया?
  - ii. जामुन का पेड़ पाठ में हॉर्टिकल्चर विभाग का जवाब व्यांग्यपूर्ण क्यों था?
  - iii. रजनी संपादक से क्या सहायता माँगती है?
11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक) [4]
- i. लेखिका मियाँ नसीरुद्दीन के पास क्यों गई थी?
  - ii. नादिर से भी बढ़कर आपकी जिद्द है- कर्जन के संदर्भ में क्या आपको यह बात सही लगती है? विदाई-संभाषण पाठ के आधार पर पक्ष या विपक्ष में तर्क दीजिए।
  - iii. गलता लोहा पाठ में धनराम को मोहन के किस व्यवहार पर आश्र्य होता है और क्यों?
12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: (5 X 2 = 10 अंक) [10]
- i. लेखक लता के संगीत से कब स्वयं को जुड़ा महसूस करने लगे?
  - ii. चेजारो के साथ गाँव समाज के व्यवहार में पहले की तुलना में आज क्या फ़र्क आया है, राजस्थान की रजत बूँद पाठ के आधार पर बताइए?
  - iii. आलो-आँधारि पाठ में शर्मिला दी और बेबी के संबंधों के बारे में बताइए।

# Solution

## खंड क (अपठित बोध)

1. (i) ख) पाचन शक्ति  
(ii) ग) आनंद  
(iii) क) केवल कथन (I) और (III) सही हैं।  
(iv) हँसी एक शक्तिशाली दवा है।  
(v) हँसी बैर और बदनामी की शत्रु है और खुदाई की सखी है।  
(vi) मित्रों को हँसाने से वे अधिक प्रसन्न होते हैं, शत्रुओं को हँसाने से वे कम घृणा करते हैं, अनजान लोगों को हँसाने से वे भरोसा करते हैं, उदास व्यक्तियों को हँसाने से उनका दुख घटता है, और निराश व्यक्तियों को हँसाने से उनकी आशा बढ़ती है।  
(vii) भगवान ने हँसी को एक सुंदर आंतरिक वस्तु के रूप में दी है, जो कष्टों और चिंताओं में भी मन को प्रसन्न करती है और स्वभाव को अच्छा बनाती है।
2. i. क) कथन I और II सही हैं।  
ii. क) युद्ध के दौरान रक्पात  
iii. ख) - I (3), II - (2), III - (1)  
iv. 'उर्वर मिट्टी के नव जन्मे अंकुर' से संकेत मिलता है कि खेतिहर जीवन के नए और जीवंत पहलुओं की रक्षा करने की बात कर रहे हैं, जो युद्ध और हिंसा के कारण नष्ट हो सकते हैं।  
v. कविता के अनुसार, खेतिहर अपने खेतों का संदेश शांति और युद्ध-विरोधी तैयारी के माध्यम से साझा करेगा। वह युद्ध और हिंसा के खिलाफ अपनी आवाज उठाएगा और शांति की आवश्यकता को उजागर करेगा।  
vi. 'हत्यारों का दल हारेगा' का तात्पर्य है कि खेतिहर की शक्ति इतनी प्रभावशाली होगी कि वह उन लोगों को पराजित कर देगा जो युद्ध और हिंसा का समर्थन करते हैं।

## खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर )

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।

(i)

### "रेल से तीर्थयात्रा"

वर्तमान समय में 'रेल' यातायात के साधनों में सबसे सस्ता और आरामदायक सेवा है। भारतीय रेलवे का अस्तित्व लगभग सभी बड़े-छोटे महानगरों और शहरों में है। एक समय में हजारों की संख्या में यात्री ट्रेन से सफर कर सकते हैं। आजकल बहुत सारी ट्रेनें तीर्थयात्रा के लिए सेवा देती हैं, जिनमें से कुछ सेवा कभी-कभी भारत शासन की ओर से भी शुरू की जाती है (जो विशेष रूप से वृद्ध नागरिकों या तीर्थ यात्रियों के लिए होती है)। 'तीर्थ' अर्थात् एक तरह का पुण्य स्थान, जहाँ पर लोग श्रद्धापूर्वक अपनी मनोकामना लेकर जाते हैं। जहाँ पापों से मुक्ति पाने की परंपरा है। जैसे - काशी, बद्रीनाथ, रामेश्वरम, केदारनाथ, अमरनाथ, बौद्ध गया, अजमेर शरीफ, मक्का मदीना, जेरूसलम इत्यादि।

पिछले साल हमारे गाँव बेलापुर से लगभग 15-20 तीर्थ यात्रियों ने रेल से अलग-अलग तीर्थ स्थलों की यात्रा के लिए रवाना हुए थे। सभी तीर्थ यात्री जब वापस लौटे थे तो गांव में बड़े मान-सम्मान के साथ उनका अभिनंदन किया गया था। सभी तीर्थ यात्रियों ने गांव वालों से अपना-अपना अनुभव साझा किया तथा छोटे-बड़े सबको एक बार तीर्थ पर जाने के लिए प्रेरित किया। तब मेरी उम्र महज 15 साल की थी।

(ii)

### मेरे बगीचे में सब्जी की फसल

मेरे बगीचे में सब्जी की फसल उगाना मेरे लिए एक आनंददायक और प्रशंसनीय अनुभव है। सब्जियों की खेती न केवल मेरे भोजन में स्वाद और पौष्टिकता लाती है, बल्कि यह मुझे प्रकृति से जुड़ने और अपने प्रयासों के फल को देखने का अवसर देती है। यह सुंदर विभिन्नता से भरी हुई फसल मेरे बगीचे को रंगीन और सुंदर बनाती है। सब्जियों को उगाने के लिए मैं मिट्टी को तैयार करता हूँ, बीज बोता हूँ और उन्हें पानी और पोषक तत्वों से संतुलित रखने के लिए देखभाल करता हूँ। सब्जियों की खेती मुझे प्राकृतिक प्रक्रियाओं के साथ-साथ धैर्य, मेहनत, और संयम की महत्वपूर्णता के बारे में शिक्षा देती है। यह मुझे बगीचे में समय बिताने का एक शांत और स्थिर अवसर भी प्रदान करती है। सब्जियाँ उगाने के बाद, मैं उन्हें स्वादिष्ट भोजनों में उपयोग करता हूँ और अपने परिवार के साथ साझा करता हूँ, जिससे एक आनंदमय और संबंधित भोजन का आनंद लेता हूँ।

इस प्रकार, मेरे बगीचे में सब्जी की फसल उगाना मेरे लिए एक प्राकृतिक, संवेदनशील और सत्यनिष्ठ प्रयास है जो मुझे संपूर्णता और समृद्धि के एहसास के साथ भर देता है।

(iii)

### विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ

भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक, भारतीय वैज्ञानिकों ने अपने नवाचार और अनुसंधान से विश्व को प्रभावित किया है। इस निबंध में हम विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्रमुख उपलब्धियों पर चर्चा करेंगे।

भारत में विज्ञान की परम्परा अनादि काल से विद्यमान रही है। हड्डपा और मोहनजोदहो की खुदाई से मिले साक्ष्य इस बात का प्रमाण हैं कि उन लोगों में विज्ञान की समझ थी। महर्षि सुश्रुत ने शल्य चिकित्सा की खोज की, जिन्हें आज 'फादर ऑफ सर्जरी' कहा जाता है। नागर्जुन ने रसायन विज्ञान को जन्म दिया। धातु विज्ञान, वस्त्र निर्माण, भवन निर्माण और परिवहन व्यवस्था का विकास सिन्धु सभ्यता के समय हो चुका था। भारत ने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने कई सफल मिशन लॉन्च किए हैं। चंद्रयान-1 और चंद्रयान-2 मिशन ने चंद्रमा की सतह पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। मंगलयान मिशन ने भारत को मंगल ग्रह पर

सफलतापूर्वक पहुंचने वाला पहला एशियाई देश बना दिया।

भारत ने विकित्सा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्राचीन काल में शल्य विकित्सा और आयुर्वेदिक विकित्सा पद्धतियों का विकास हुआ। आधुनिक युग में, भारत ने पोलियो, चेचक, और हैंजा जैसी बीमारियों का उन्मूलन किया है। कोरोना महामारी के दौरान, भारत ने वैक्सीन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और दुनिया को वैक्सीन की आपूर्ति की।

भारत ने रक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने स्वदेशी रक्षा प्रणालियों का विकास किया है। भारत ने परमाणु परीक्षण कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया और स्वदेशी मिसाइल प्रणालियों का विकास किया।

विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ न केवल हमारे देश के लिए गर्व का विषय हैं, बल्कि यह विश्व को भी प्रेरित करती हैं। हमें अपने वैज्ञानिकों के योगदान को सम्मानित करना चाहिए और विज्ञान के क्षेत्र में और अधिक प्रगति के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

#### 4. सेवा में,

माननीय शिक्षा मंत्री जी,

दिल्ली सरकार,

नई दिल्ली।

दिनांक- 22 अगस्त 20....

**विषय - सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने हेतु।**

महोदय,

मैं दिल्ली शहर के पिछड़े इलाके का निवासी हूँ। यहाँ की अधिकांश जनता गरीब व अशिक्षित है। जिन बच्चों को पढ़ने का अवसर मिल रहा है, वे धनाभाव के कारण पुस्तकें, समाचार पत्र व पत्रिकाएँ पढ़ने से वंचित रह जाते हैं। इसीलिए इस क्षेत्र में एक पुस्तकालय की अत्यंत आवश्यकता है। अभी तक इस ओर किसी का ध्यान नहीं गया है। यदि आप इस इलाके में एक सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने की व्यवस्था करा दें तो इस क्षेत्र की जनता आपकी अत्यन्त आभारी रहेगी। साथ ही साक्षरता में आपकी भागीदारी भी प्रशंसनीय रहेगी।

भवदीय,

क्षेत्रीय नागरिक,

गिरीश

अथवा

महानिदेशक महोदय,

दिल्ली दूरदर्शन केंद्र,

आकाशवाणी भवन,

संसद मार्ग, नई दिल्ली।

01 मार्च, 2019

**विषय- दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले कार्यक्रमों के संबंध में**

महोदय,

मैं आपका ध्यान दिल्ली दूरदर्शन पर दिखाए जा रहे कार्यक्रमों की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ।

श्रीमान जी, दिल्ली दूरदर्शन पर दिखाए जा रहे अनेक कार्यक्रमों का स्तर घटिया तथा अनुपयोगी है। इन कार्यक्रमों को बनाते समय बच्चों की रुचि का ध्यान नहीं रखा गया है। बच्चों की रुचि उनके मानसिक स्तर के अनुरूप कार्यक्रमों का अभाव है। बच्चे इन्हें देखने में रुचि नहीं लेते हैं। धारावाहिकों में वही छल-फरेब, हिंसा, मार-काट तथा रोना-धोना आदि की भरमार है तो कहानी के नाम पर वही सास-बहू के झगड़े और ननद-भाषी के रिश्तों में कड़वाहटपूर्ण संबंधों का प्रदर्शन। अधिकांश धारावाहिकों को देखकर लगता है कि उन्हें दिखाने का उद्देश्य मात्र लाभ कमाना है। सामाजिक उद्देश्य तो जाने कहाँ गायब हो चुके हैं। ये धारावाहिक न युवाओं के चरित्र पर अच्छा प्रभाव डाल रहे हैं, न बच्चों में किसी संस्कार का निर्माण कर रहे हैं। बच्चे विज्ञापनों की भाषा बोलते दिखाई देने लगे हैं।

अतः आपसे प्रार्थना है कि दूरदर्शन पर प्रसारित कार्यक्रमों की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान दें।

धन्यवाद।

भवदीय,

सुदीप,

84बी/3, राणाप्रताप मार्ग,

सेक्टर 5, द्वारका, नई दिल्ली।

#### 5. अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)

- i. इसका तात्पर्य ऐसी पत्रकारिता से है जिसमें फैशन, अमीरों की पार्टीयों, महफिलों और जाने-माने लोगों के निजी जीवन के बारे में बताया जाता है। यह आमतौर पर समाचार-पत्रों के पृष्ठ तीन पर प्रकाशित होती है। इसीलिए इसे पेज थ्री पत्रकारिता कहते हैं।
- ii. स्ववृत्त में अलंकारिक भाषा की गुंजाइश नहीं है। इसीलिए इसकी शैली सरल, सीधी, सटीक और साफ होनी चाहिए। ताकि पढ़ने वाले को सारी बातें एक ही नज़र में स्पष्ट हो जाएँ और अर्थ निकालने के लिए दिमाग पर ज़ोर न डालना पड़े।
- iii. कोश में आदि अक्षरों का क्रम वही रखा गया है, जो देवनागरी वर्णमाला का है अर्थात् - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ, क, ख, ग, घ, च, छ, ज, झ, ट, ठ, ड, त, थ, द, ध, न, प, फ, ब, भ, म, य, र, ल, व, श, स, ष, ह। अं, अँ, अः को अलग अक्षर नहीं माना गया है। ये दोनों ध्वनियाँ 'अ' के अन्तर्गत आएँगी।

iv. गांधीजी, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, लोकमान्य तिलक, मदनमोहन मालवीय, गणेश शंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी, महावीर प्रसाद द्विवेदी, बाबूराव-विष्णुराव पराडकर, प्रताप नारायण मिश्र, शिवपूजन सहाय, रामवृक्ष बेनीपुरी आदि।

रा.बा.व.मा. विद्यालय - सांस्कृतिक समिति की बैठक

दिनांक - 20 मई 2020

बैठक समय - प्रातः 10 बजे

स्थल - विद्यालय सभागार

**कार्यसूची-**

- i. पिछली (पाँचवी) बैठक के कार्यवृत्त की संतुष्टि।
- ii. पिछली बैठकों में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा।
- iii. वार्षिकोत्सव में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर चर्चा।
- iv. मुख्य अतिथि, विशेष अतिथि निमंत्रण पर चर्चा।
- v. विद्यालय प्रबन्धन समिति (एस.एम.सी.) से सुझाव।
- vi. वार्षिकोत्सव पर होने वाले व्यय पर चर्चा।
- vii. प्रधानाचार्य की अनुमति से किसी भी अन्य विषय पर चर्चा।
- viii. खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन पर विचार।
- ix. प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने पर विचार।
- x. जलपान/भोज के आयोजन पर विचार।
- xi. धन्यवाद ज्ञापन।

हस्ताक्षर

सचिव, सांस्कृतिक समिति

v.

- (ii) i. नाटक और फ़िल्म की पटकथा में कुछ मूलभूत अंतर होते हैं। ये अंतर निम्नलिखित हैं:

- i. नाटक के दृश्य बहुत लंबे-लंबे होते हैं जबकि फ़िल्म के दृश्य छोटे होते हैं।
- ii. नाटक में घटनास्थल प्रायः सीमित होता है जबकि फ़िल्म में इसकी कोई सीमा नहीं होती।
- iii. नाटक एक सजीव कला माध्यम है जिसमें अभिनेता अपने ही जैसे जीवंत दर्शकों के सामने अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं जबकि सिनेमा में यह पूर्व रिकॉर्डिंग छवियां एवं दृश्य होते हैं।
- iv. नाटक में कार्य-व्यापार, दृश्यों की संरचना और चरित्रों की संख्या सीमित रखनी होती है जबकि सिनेमा में ऐसाकोई बंधन नहीं होता।
- v. नाटक की कथा का विकास एक-रेखीय होता है, जो एक ही दिशा में आगे बढ़ता है जबकि सिनेमा में कथा का विकास कई प्रकार से होता है।

### अथवा

- i. डायरी लेखन में व्यक्ति का व्यक्तित्व झलकता है, क्योंकि लेखक इसमें अपने मन की बातों का अंकन करता है। डायरी लेखक के मन का केंद्र-बिन्दु होता है, जिसमें वह खुशी-गम, अच्छे-बुरे का लेखन करता है। डायरी लिखने से व्यक्ति के अन्दर अभिव्यक्त करने का हुनर भी आने लगता है। तनाव भी कम होता है और याददाश्त भी दुरुस्त होती है। लिखते-लिखते भाषा-शैली व शब्दावली भी निखरने लगती है। लिखने की आदत हमारे अंदर धैर्य के गुण को जन्म देती है। जब हम लिखते हैं तो मन में विचार ठहरना सीखते हैं। यदि अन्दर कोई गुस्सा या कुंठा होती है, तो कागज तक आते-आते काफ़ी हद तक शान्त होने लगती है।

### खंड- ग (आरोह भाग - 1 एवं वितान भाग-1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

#### 6. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

हे भूख! मत मचल

प्यास, तड़प मत

हे नींद! मत सता

क्रोध, मचा मत उथल-पुथल

है मोह! पाश अपने ढील

लोभ, मत ललचा

हे मद! मत कर मदहोश

झूर्घा, जला मत

ओ चराचर! मत चूक अवसर

आई हूँ सन्देश लेकर चन्न मलिकार्जुन का

- (i) (क) अक्षमहादेवी

व्याख्या:

अक्षमहादेवी

- (ii) (क) सांसारिक कष्ट न दे

व्याख्या:

कवयित्री भूख-प्यास, क्रोध-मोह आदि से प्रार्थना करती है कि उसे सांसारिक कष्ट न दें।

(iii) (क) चन्नमलिकार्जुन और भगवान शिव दोनों

व्याख्या:

चन्नमलिकार्जुन और भगवान शिव दोनों

(iv) (ग) गुस्सा

व्याख्या:

गुस्सा

(v) (घ) निर्मोह

व्याख्या:

निर्मोह

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)

(i) कबीर ने एक ही ईश्वर के समर्थन में अनेक तर्क दिए हैं, जो निम्नलिखित हैं-

i. संसार में सब जगह एक ही पवन व जल है।

ii. सभी में एक ही ईश्वरीय ज्योति है।

iii. एक ही मिट्टी से सभी बर्तनों का निर्माण होता है।

iv. एक ही परमात्मा का अस्तित्व सभी प्राणों में है।

v. प्रत्येक कण में ईश्वर है।

vi. दुनिया के हर जीव में ईश्वर व्यास है।

(ii) चंपा निरक्षर है। जब कवि अक्षरों को पढ़ना शुरू करता है तो चंपा को हँरानी होती है कि इन अक्षरों से स्वर कैसे निकलते हैं; वह अक्षर व ध्वनि के संबंध को समझ नहीं पाती। उसे नहीं पता कि लिखे हुए अक्षर ध्वनि को व्यक्त करने का ही एक रूप है। निरक्षर होने के कारण वह यह बात समझ नहीं पाती।

(iii) संथाली कवयित्री निर्मला पुतुल ने कविता में धनुष, तीर, कुल्हाड़ी आदि हथियारों का उल्लेख किया गया है। जब कवयित्री कहती हैं कि हमें धनुष की डोरी, तीर का नुकीलापन और कुल्हाड़ी की धार को बचाना है तो हमें यह अनुभव होता है कि ये पारंपरिक हथियार भी संथालों की पहचान हैं।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)

(i) कवि ने बैठे बिठाए पकड़े जाना, सहनी चुप में जकड़ने, कपट के शोर में सही होते हुए भी दब जाना, और किसी जुगनू की लौ में पढ़ना आदि को बुरा तो है कहा है। ‘बुरा’ शब्द प्रत्यक्ष आरोप लगाता है, परंतु ‘तो’ लगाने से सारा जोर ‘तो’ पर चला जाता है। इसका अर्थ है। कि स्थितियाँ खराब अवश्य है, परंतु उनमें सुधार की गुंजाइश है। साथ ही, यह चेतावनी भी देता है कि अगर इन्हें नहीं सुधारा गया तो भविष्य में हालात और बिगड़ें।

(ii) लोक लाज खोने का अभिप्राय परिवार की मर्यादा खोने से है। हर एक समाज की अपनी एक मर्यादा होती है और जब कोई व्यक्ति इसके विपरीत कार्य करता है तो उसे मर्यादा का उल्लंघन मानकर लोक-लाज खोने की बात की जाती है। मीरा का विवाह राजपुताना परिवार में हुआ था। राज परिवार से संबंधित होने के कारण वहाँ महिलाओं को अनेकों प्रथाओं का पालन जैसे पर्दा प्रथा का पालन करना, पर-पुरुषों के सामने आना, मंदिरों में जाकर भजन-कीर्तन में शामिल होना आदि अनेकों बातों की मनाही थी। मीरा ने परिवार की इन झूठी मर्यादाओं की परवाह न की और कृष्ण की भक्ति, सत्संग-भजन, साधु संतों के साथ उठाना बैठना सभी निर्भय पूर्वक जारी रखा। इसी संदर्भ में मीरा के लोक लाज छोड़ने की बात की गई है।

(iii) प्रत्यमान समाज व शासन-व्यवस्था हर आवाज को अनसुना कर रहे हैं। अतः कवि दुष्यंत कुमारेसी आवाज के लिए बेकरार है जिसकी उपेक्षा न की जा सके अर्थात् असरदार आवाज की सुनवाई जरूर होती है।

9. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

मैं उत्तर-पश्चिम में खैबर के दरें से लेकर धूर दक्षिण में कन्याकुमारी तक की अपनी यात्रा का हाल बताता और यह कहता कि सभी जगह किसान मुझसे एक-से सवाल करते, क्योंकि उनकी तकलीफे एक-सी थी-यानी गरीबों पर कर्जदारों, पूँजीपतियों के शिकंजे, जर्मांदार, महाजन के कड़े लगान और सुद, पूलिस के जुल्म और ये सभी बातें गुंथी हुई थीं, उस ढाँचे के साथ, जिसे एक विदेशी सरकार ने हम पर लाद रखा था और इनसे छुटकारा भी सभी को हासिल करना था। मैंने इस बात की कौशिश की कि लोग सारे हिन्दुस्तान के बारे में सोचें और कुछ हद तक इस बड़ी दुनिया के बारे में भी जिसके हम एक जुज़ हैं। मैं अपनी बातचीत में चीन, स्पेन, अबीसिनिया, मध्य यूरोप, मिस्र और पश्चिम एशिया में होने वाले कशमकशों का जिक्र भी ले आता।

(i) (क) जलसों में

व्याख्या:

नेहरू जी जलसों में आते थे और उन जलसों में वे उत्तर-पश्चिम में खैबर के दरें से लेकर कन्याकुमारी तक यात्रा करते।

(ii) (ख) कन्याकुमारी

व्याख्या:

कन्याकुमारी

(iii) (ख) सभी विकल्प सही हैं

व्याख्या:

सभी विकल्प सही हैं

(iv) (घ) किसानों के दृष्टिकोण में व्यापकता लाना

व्याख्या:

किसानों के दृष्टिकोण में व्यापकता लाना

(v) (क) अंग्रेजी शासन

व्याख्या:

अंग्रेजी शासन

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)

(i) श्रीनिवास की फिल्म में भूमिका मिठाई बेचने वाली की थी। वह गली-गली मिठाई बेचा करता था। इस फिल्म के पात्र अपूर्ण तथा दुर्गा थे। वे दोनों मिठाई वाले के पीछे-पीछे जाया करते थे। वे मिठाई नहीं खरीद सकते थे। अतः जब मिठाईवाला मुखर्जी की कोठी के आगे मिठाई बेचने के लिए रुकता था, तो मुखर्जी मिठाई अवश्य लेते। बचे यहीं देखकर प्रसन्न हो जाते थे।

पैसे न होने के कारण शूटिंग को बीच में रोक देना पड़ा। अतः एक लंबा अंतराल आ गया। पैसे हाथ आने पर फिर जब उस गाँव में शूटिंग करने के लिए गए, तब खबर मिली कि श्रीनिवास मिठाईवाले की भूमिका जो सज्जन कर रहे थे, उनका देहांत हो गया है। श्रीनिवास की भूमिका के लिए वैसा ही आदमी चाहिए मगर वह मिला नहीं। अंत में उसके जैसे कद-काठी वाले आदमी को ढूँढ़ा गया और कैमरे की तरफ उसकी पीठ करके इस दृश्य को पूरा किया गया। दर्शकों को यह अंतर दिखाई नहीं दिया।

(ii) हॉर्टिकल्चर विभाग के सचिव ने जवाब दिया कि उनका विभाग 'पेड लगाओ' अभियान में जोर-शोर से जुटा हुआ है। ऐसे में किसी भी अधिकारी को पेड काटने की बात नहीं सोचनी चाहिए। जामुन फलदार पेड है। अतः फलदार पेड को काटने की अनुमति कदापि नहीं दे सकते। लेखक व्यंग्य करता है कि ऐसे अफसरों को अपनी नीतियों, फलों की अधिक चिंता रहती है, व्यक्ति की जान की नहीं।

(iii) रजनी संपादक को ट्यूशन की समस्या बताती है तथा उसे अखबार में छापने का आग्रह करती है। वह उनसे कहती है कि 25 तारीख की पेरेंट्स मीटिंग की खबर भी प्रकाशित करने के लिए भी कहती है। इससे सब लोगों तक खबर पहुँच जाएगी क्योंकि व्यक्तिगत तौर पर वह कम लोगों से संपर्क कर पाई थी।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)

(i) लेखिका मियाँ नसीरुद्दीन के पास इसलिए गई ताकि वह उनकी नानबाई कला के बारे में जानकारी प्राप्त कर सके तथा उसे लोगों को बता सके। जब उसने एक मामूली अंधेरी-सी दुकान पर पटापट आटे का ढेर सनते देखा तो वह अपनी उत्सुकता रोक न सकी। मियाँ छप्पन तरह की रोटियाँ बनाने के लिए मशहूर थे। वह उनकी इस कारोगरी का रहस्य भी जानना चाहती थी। इसलिए उसने मियाँ से अनेक प्रश्न पूछे।

(ii) कर्जन के संदर्भ में यह बात बिलकुल सही है। नादिरशाह निरंकुश शासक था। जरा-सी बात पर उसने दिल्ली में कत्लेआम करवाया, परंतु आसिफ जाह ने गले में तलवार डालकर उसके आगे समर्पण कर कत्लेआम रोकने की प्रार्थना की तो तुरंत उसे रोक दिया गया। कर्जन ने बंगाल का विभाजन कर दिया। आठ करोड़ भारतीयों ने बार-बार विनती की, परंतु उसने जिद नहीं छोड़ी। इस संदर्भ में कर्जन की जिद नादिरशाह से बड़ी है। उसने जनहित की उपेक्षा की।

(iii) मोहन ब्राह्मण जाति का था और उस गाँव में ब्राह्मण शिल्पकारों के यहाँ उठते-बैठते नहीं थे। यहाँ तक कि उन्हें बैठने के लिए कहना भी उनकी मर्यादा के विरुद्ध समझा जाता था। मोहन धनराम की दुकान पर काम खत्म होने के बाद भी काफी देर तक बैठा रहा। इस बात पर धनराम को हैरानी हुई। उसे अधिक हैरानी तब हुई जब मोहन ने उसके हाथ से हथौड़ा लेकर लोहे पर नपी-तुली चोटें मारी और धोंकनी फूँकते हुए भड़ी में लोहे को गरम किया और ठोक-पीटकर उसे गोल रूप दे दिया। मोहन पुरोहित खानदान का पुत्र होने के बाद निम्न जाति के काम कर रहा था।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये: (5 X 2 = 10 अंक)

(i) लेखक वर्षों पहले बीमार थे। उस समय उन्होंने रेडियो पर अद्वितीय स्वर सुना। यह स्वर सीधे उनके हृदय तक जा पहुँचा। उन्होंने तन्मयता से पूरा गीत सुना। उन्हें यह स्वर अद्वितीय लगा जो उनके कलेजे से जा भिड़ा। गीत के अंत में जब रेडियो पर गायिका के नाम की घोषणा हुई तो उन्हें मन-ही-मन संगति पाने का अनुभव हुआ। वे सोचने लगे कि सुप्रसिद्ध गायक दीनानाथ मंगेशकर की अजब गायकी एक दूसरा स्वरूप लिए उन्हीं की बेटी की कोमल आवाज में सुनने को मिली है।

(ii) 'चेजारो' अर्थात् 'चिनाई' करने वाले कुर्ई के निर्माण में ये लोग दक्ष होते हैं। राजस्थान में पहले इन लोगों का विशेष सम्मान था। काम के समय उनका विशेष ध्यान रखा जाता था। कुर्ई खुदने पर चेलवांजी को विदाई के समय तरह-तरह की भेट दी जाती थी। इसके बाद भी उनका संबंध गाँव से जुड़ा रहता था। प्रथा के अनुसार कुर्ई खोदने वालों को वर्ष भर सम्मानित किया जाता था। उन्हें तीज-त्योहारों में, विवाह जैसे मंगल अवसरों पर भेट दी जाती थी। फसल आने पर उनके लिए अलग से अनाज निकाला जाता था। अब स्थिति बदल गई है, आज उनका सम्मान कम हो गया है। अब सिर्फ मजदूरी देकर काम करवाया जाता है।

(iii) शर्मिला दी कोलकाता में रहती थीं। वह बेबी को हिंदी में चिड्डियाँ लिखती थीं। उनकी चिड्डियों में अलग तरह की ही बात होती थी। बेबी सोचती थी कि उन्होंने भी तो अपने घर का काम करवाने के लिए कोई लड़की रखी होंगी। क्या उसके साथ भी उनका वैसा ही व्यवहार होगा जैसा मेरे साथ। उसे तो वह किसी के घर काम करने वाली लड़की की तरह नहीं देखती और चिड्डियाँ भी अपनी बाँधवी की तरह लिखती हैं। तातुश उसकी चिड्डियों को पढ़कर सुनाते तो वह अपनी टूटी-फूटी बांग्ला में उन्हें लिख लेती थी। उदास होने पर वह इन्हें पढ़ती तथा प्रसन्न होती थी।